(1)

Q(1) कांग्रेस की गठबंधन राजनीति की व्याख्या करें।

Ans- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व पहली बार 1977 में समाप्त हुआ जब इंदिरा गाँधी के नेतृत्व में पार्टी को अन्य सभी बड़े दलों के गठबंधन के कारण हार का सामना करना पड़ा। यह गठबंधन सरकार का भारत में पहली बार थी। सन 1992 की हार के बाद कांग्रेस ने भी इसे अपनाया है। सन 2004 में कांग्रेस ने यु.पी.ए. U.P.A ~~गठबंधन~~ गठबंधन की स्थापना की जिसमें वर्तमान में 10 राजनीतिक पार्टियाँ जुड़ी थीं। इसके अलावा कांग्रेस विभिन्न विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टियों के साथ भी गठबंधन बनाती रही है, हाल में साल उत्तर प्रदेश के 2017 के चुनाव में सपा के साथ गठबंधन इसका उदाहरण है।

Q(2) 1989 के बाद की अवधि में भारतीय राजनीति के मुख्य मुद्दों से राजनीतिक दलों के आपसी जुड़ाव के क्या रूप सामने आए हैं?

Ans- 1989 के बाद की अवधि में भारतीय राजनीति के मुख्य मुद्दों निम्न है

(I) इस दौर का एक मुद्दा कांग्रेस का सत्ता से हटना था। लोक सभा के आम चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा उसे चुनाव में महज 197 सीटें मिली। 1991 में फिर से मध्यावधि चुनाव हुए। कांग्रेस की हार होने से गठबंधन की राजनीति शुरू हुई और राजनीतिक दलों का आपसी जुड़ाव बढ़ा

(II) 1989 के बाद के मुद्दों में मंडल मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण था। इससे देश में नई संघर्ष शुरू हो गया और जातियाँ वोटों की राजनीति करने लगी। लेकिन अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों को भी आरक्षण दिए जाने में

(2)

अधिकतर दलो मे आपसी जुड़ाव बढ़ा

(iii) नई आर्थिक नीति को लेकर भी सभी दलो के बीच आम सहमति बनी क्योंकि अधिकतर दलो का मानना था कि नई आर्थिक नीतियो से देश समृद्ध होगा और भारत विश्व की एक आर्थिक शक्ति बनेगा। इस नीति के कारण देश मे अनेक दक्षिण पंथी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल परस्पर जुड़ने लगे।

(iv) दिसम्बर 1992 मे कार सेवको ने अयोध्या मे बाबरी मस्जिद को गिरा दिया। जिससे धर्मनिरपेक्षता की नीति पर प्रश्न चिह्न लग गया। यही से हिंदुत्व की राजनीति शुरू हुई अनेक दल हिंदुत्व की विचार धारा से सहमत नही थे। इस मामले मे उनमे आपसी जुड़ाव था।